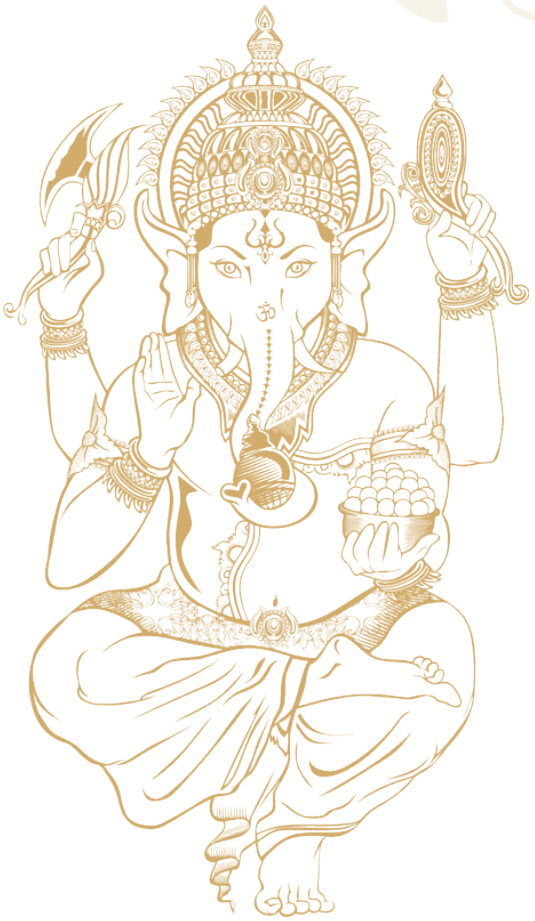

Ms. KAJAL SHARMA

18 Jul 1998

04:30 AM

Amritsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17-18/07/1998**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	57:13:06 घटी
स्थान	**Amritsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:35:00 उत्तर
रेखांश	74:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:59:44 घंटे
वेलान्तर	-00:06:06 घंटे
साम्पातिक काल	23:41:59 घंटे
सूर्योदय	05:36:45 घंटे
सूर्यास्त	19:35:36 घंटे
दिनमान	13:58:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:18:55 कर्क
लग्न के अंश	15:58:46 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:58:46	316:36:50	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	01:18:55	00:57:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मेष	18:51:34	14:12:05	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मिथु	13:57:14	00:40:06	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध			कर्क	27:58:27	00:54:25	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु			मीन	04:13:30	00:00:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	04:08:46	01:12:09	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	09:04:52	00:02:55	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	08:13:58	00:02:12	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	08:13:58	00:02:12	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	17:34:21	00:02:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	07:05:48	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:41:19	00:00:54	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	01:15:07	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:05

लग्न-चलित

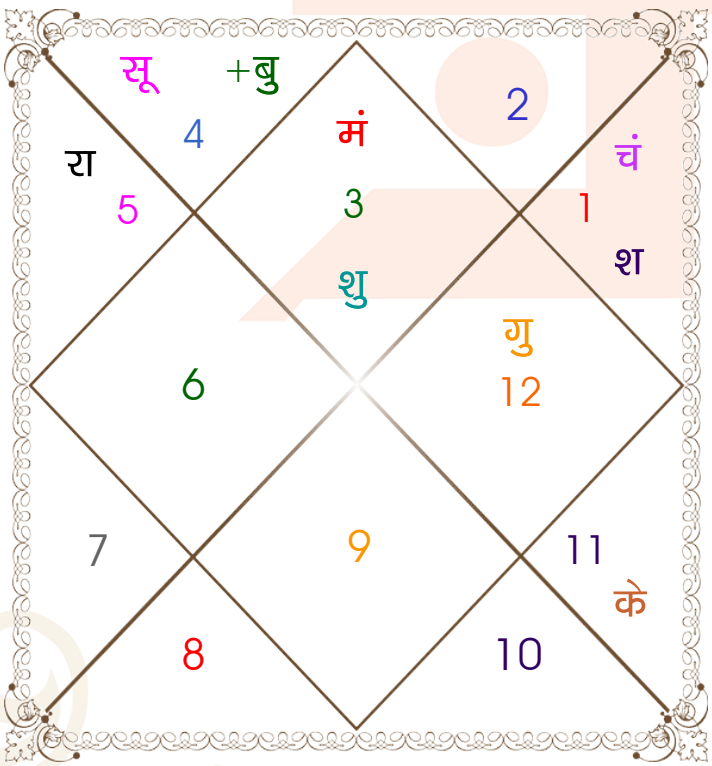

चन्द्र कुंडली

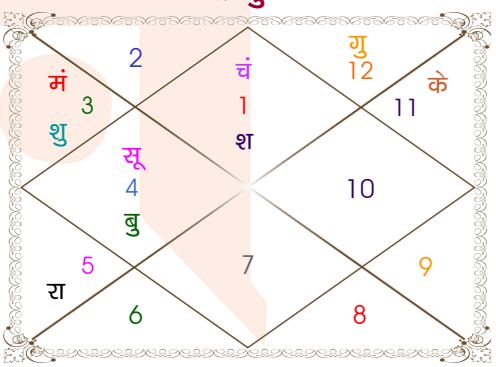

नवमांश कुंडली

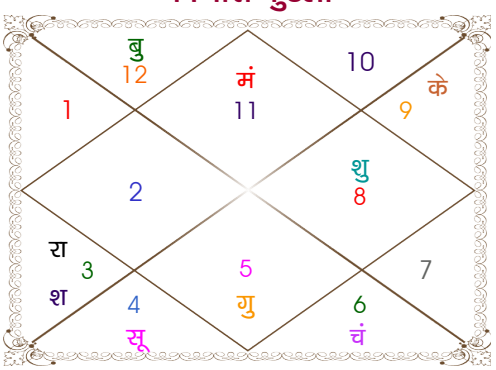

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 8 मास 16 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/07/1998		03/04/2010		03/04/2016		03/04/2026		03/04/2033	
03/04/2010		03/04/2016		03/04/2026		03/04/2033		03/04/2051	
	00/00/0000	सूर्य	22/07/2010	चंद्र	01/02/2017	मंगल	30/08/2026	राहु	15/12/2035
	00/00/0000	चंद्र	20/01/2011	मंगल	02/09/2017	राहु	18/09/2027	गुरु	10/05/2038
	00/00/0000	मंगल	28/05/2011	राहु	04/03/2019	गुरु	24/08/2028	शनि	16/03/2041
	18/07/1998	राहु	21/04/2012	गुरु	03/07/2020	शनि	02/10/2029	बुध	03/10/2043
राहु	02/06/2000	गुरु	07/02/2013	शनि	01/02/2022	बुध	30/09/2030	केतु	20/10/2044
गुरु	01/02/2003	शनि	20/01/2014	बुध	04/07/2023	केतु	26/02/2031	शुक्र	21/10/2047
शनि	03/04/2006	बुध	26/11/2014	केतु	02/02/2024	शुक्र	27/04/2032	सूर्य	14/09/2048
बुध	01/02/2009	केतु	03/04/2015	शुक्र	02/10/2025	सूर्य	02/09/2032	चंद्र	16/03/2050
केतु	03/04/2010	शुक्र	03/04/2016	सूर्य	03/04/2026	चंद्र	03/04/2033	मंगल	03/04/2051

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/04/2051		03/04/2067		03/04/2086		04/04/2103		04/04/2110	
03/04/2067		03/04/2086		04/04/2103		04/04/2110		00/00/0000	
गुरु	21/05/2053	शनि	06/04/2070	बुध	30/08/2088	केतु	31/08/2103	शुक्र	04/08/2113
शनि	03/12/2055	बुध	14/12/2072	केतु	27/08/2089	शुक्र	31/10/2104	सूर्य	04/08/2114
बुध	10/03/2058	केतु	23/01/2074	शुक्र	27/06/2092	सूर्य	07/03/2105	चंद्र	04/04/2116
केतु	14/02/2059	शुक्र	25/03/2077	सूर्य	03/05/2093	चंद्र	06/10/2105	मंगल	04/06/2117
शुक्र	15/10/2061	सूर्य	07/03/2078	चंद्र	03/10/2094	मंगल	05/03/2106	राहु	19/07/2118
सूर्य	03/08/2062	चंद्र	06/10/2079	मंगल	30/09/2095	राहु	23/03/2107		00/00/0000
चंद्र	03/12/2063	मंगल	14/11/2080	राहु	18/04/2098	गुरु	27/02/2108		00/00/0000
मंगल	08/11/2064	राहु	21/09/2083	गुरु	25/07/2100	शनि	07/04/2109		00/00/0000
राहु	03/04/2067	गुरु	03/04/2086	शनि	04/04/2103	बुध	04/04/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 8 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।